नवाचार की विशेषताऐ

(Characteristics of Innovation)

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर नवाचार की विशेषताऐ निम्नलिखित है —

1- नवाचार एक ऐसा विचार है जिसे नया समझा जाता है।
2- नवाचार मे कोई न कोई विशेषता अवश्य पायी जाती है।
3- नवाचार प्रयासपूर्ण किया जाने वाला कार्य है।
4- नवाचार को समझ-बूझकर काम में लाया जाता है। इसकी उपयोगिता को ध्यान मे रखकर ही ऐसा किया जाता है।
5- नवाचार के द्वारा वर्तमान परिस्थितियों मे सुधार लाने का प्रयास किया जाता है।
6- प्रचलित विधियों की अपेक्षा गुणों को ध्यान मे रखते हुए नवाचार अधिक श्रेष्ठ अथवा उन्नत माना जाता है।

निष्कर्ष :- "नवाचार वह विचार है, जिसके मानने या स्वीकार करने वाला, उसे नवीन विचार के रुप मे देखता और अनुभव करता है।"

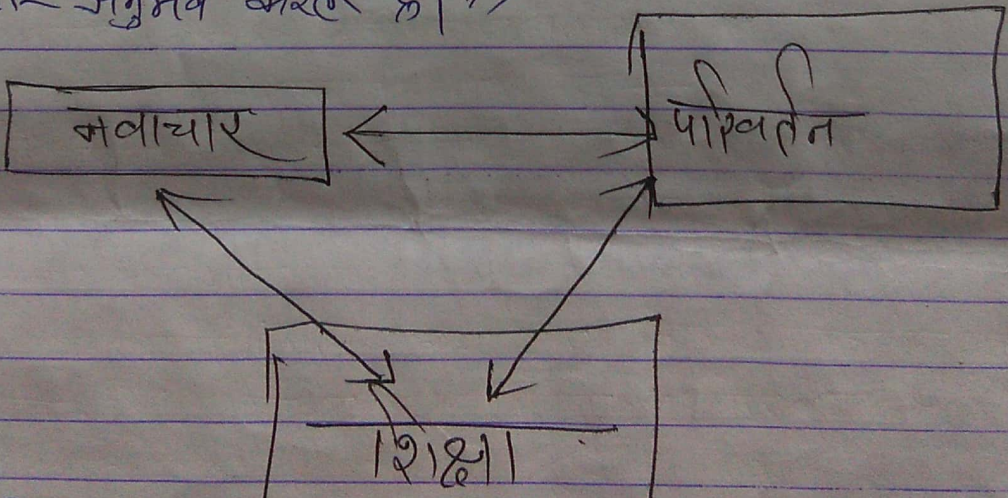

परिवर्तन व नवाचार मे सम्बन्ध —

Scanned with CamScanner

"शिक्षण एवं अधिगम
Teaching and Learning"

शिक्षण क्या है ?

शिक्षण का अर्थ = शिक्षण शब्द अंग्रेजी (आंग्ला) भाषा के Teaching शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है।

शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है शिक्षण पर प्रत्येक देश की शासन प्रणाली, सामाजिक दृष्टि, सा० परिस्थितियों तथा मूल्यों का प्रभाव पड़ता है। जहाँ जैसी शासन प्रणाली या परिस्थिति होगी वहाँ का शिक्षण वैसा होगा।

शिक्षण के अर्थ को तीन भागो में बाटा गया है

विभिन्न दार्शनिकों ने शिक्षण को तीन भागो में बांटा है

1 — एकतंत्र में शिक्षण का अर्थ — Autocracy teaching
2 — लोकतन्त्र में शिक्षण का अर्थ। Democracy teaching
3 — हस्तक्षेप रहित शासन में शिक्षण का अर्थ (Laissez - Faire Teaching)

(1) एकतन्त्र शिक्षण

अर्थ = एक तंत्र शासन में तानाशाही की (One way Teaching) इच्छा प्रमुख होती है। इस शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक का स्थान प्रमुख होता है अर्थात् ये शिक्षक प्रधान (Teacher Dominated) Teacher centered होता है। इसमें शिक्षक का स्थान प्रमुख व छात्र का स्थान गौण (Secondary

... शासन मे शिक्षण के प्रकार ... Teaching

① एकतन्त्र शिक्षण (Laissez - Faire Teaching)

अर्थ = एक तंत्र शासन मे तानाशाही की (One way Teaching) इच्छा प्रमुख होती है।
इस शिक्षण प्रक्रिया मे शिक्षक का स्थान प्रमुख होता है अर्थात ये
शिक्षक प्रधान (Teacher Centered) (Teacher Dominated) होता है —
इसमे शिक्षक का स्थान प्रमुख व छात्र का स्थान गौण (Secondary)
होता है इसमे शिक्षक कथन आदेश माना जाता है तथा वह अपने आदर्शो,
विचारो को बलपूर्वक छात्रो मे ठूसता है अपना रौब दाब के द्वारा करता है
इस शिक्षण मे छात्र स्वतन्त्र नहीं होते है तथा वह तर्क नहीं कर सकते।
इसमे शिक्षक सक्रिय होता है तथा छात्र निष्क्रिय होता है
इसमे छात्रो की क्षमताओ के विकास के लिये अवसर नहीं दिये जाते। इसे
एक तन्त्रीय शिक्षण कहते है

② लोकतन्त्र शिक्षण :—

अर्थ =
लोकतन्त्र शासन प्रणाली मे मानवीय सम्बन्धो पर आधारित रहती
है तथा सामान्य जनता की इच्छा सर्वोत्तम मानी जाती है
इस प्रकार की प्रणाली मे (छात्र) शिक्षक स्थान गौण व छात्र का
स्थान प्रमुख होता है। यहां शिक्षक व छात्र दोनो सक्रिय
होते है अर्थात वे तर्क, प्रश्न, उत्तर पूछे तथा अन्य प्रकार से
वार्तालाप कर सकते है इसमे शिक्षक व छात्र के बीच शाब्दिक
व अशाब्दिक अन्त:क्रिया चलती है।
इसमे छात्र व शिक्षक परस्पर एक दूसरे को सम्मान देते है

③ हस्तक्षेप शिक्षण

अर्थ = इस प्रकार के शिक्षण मे शिक्षक एक मित्र (सहायक) के (पथ प्रदर्शक)
निर्देशक के रूप मे कार्य करता है इसमे अधिक अवसर छात्रो को

Scanned with CamScanner

हस्तक्षेप रहित शासन में शिक्षण का अर्थ

को देता है इसमें छात्र अधिक सक्रिय होते हैं। इसमें छात्र केवल उनकी समस्याओं को सुलझाने में मदद करता है। वह उनकी सृजनात्मक क्षमताओं का विकास करता है। इसमें शिक्षक का कार्य केवल फैसिलिटेटर (Facilitator) का होता है।

क्लार्क के अनुसार = "यह शिक्षण ऐसी प्रक्रिया है जिसमें प्रारूप, तथा परिपालन की व्यवस्था इस प्रकार से की जाती है जिससे छात्रों के व्यवहार में वांछित परिवर्तन लाया जा सके"

निष्कर्ष : उपरोक्त शिक्षण के प्रकारों से ज्ञात होता है कि शिक्षक की प्रक्रिया एक सामाजिक प्रक्रिया है। इसमें अन्तर क्रिया का होना आवश्यक है। तथा शिक्षण एक कला व विज्ञान दोनों ही है। शिक्षण के तीन ध्रुव हैं शिक्षक व छात्र पाठ्यक्रम। या तीनों के आधार पर शिक्षण को विभिन्न दार्शनिकों ने विभिन्न भागों में बांटा है जो उपरोक्त है इसलिए हम कह सकते है

Scanned with CamScanner

है

शिक्षण का परिचय (विषय - प्रवेश)

Introduction of Teaching

प्राय: (समान्य) यह समझा जाता है कि बालक (छात्र) को विभिन्न विषयों का ज्ञान प्रदान करना ही शिक्षण है, परन्तु यह कहना पूरी तरह से ठीक नहीं होगा इसलिए एक मनोवैज्ञानिक / दार्शनिक ने लिखा है कि —
जोसफ लैण्डन के अनुसार — "ज्ञान प्रदान करने की अपेक्षा शिक्षण कहीं अधिक है" अब प्रश्न यह उठता है कि शिक्षण क्या है? —

कुछ लोग कहते हैं कि — "शिक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें एक निश्चित योजना के अनुसार निश्चित अवधि तक किसी निश्चित स्थान पर व्यक्ति को ज्ञान प्रदान किया जाता है"

अन्य लोगों का कहना ⇒ "व्यक्ति का अपने परिवार के साथ, विद्यालय के साथ मित्र मण्डली के साथ, व्यवसाय के साथ, सामाजिक जीवन के साथ और सम्पूर्ण वातावरण के साथ समायोजन स्थापित करना ही शिक्षण है"

शिक्षण की प्रकृति व विशेषताएं

उपरोक्त विषय प्रवेश व अर्थो से स्पष्ट करते है या होता है कि शिक्षण का स्वरूप / संरचना / प्र[illegible] व विशेषताएँ निम्नलिखित है —

1 – शिक्षण सीखने का संगठन है – 'शिक्षण सीखने का संगठन कहा जा सकता है' जेम्स Mu[illegible]

2 – शिक्षण संवेगो का प्रशिक्षण है – बालक को स्थायी संवेगात्मक जीवन के विकास मे सहायता देना है

3 – शिक्षण प्रेरणा देता है – 'बालक का किसी विषय मे रुचि उत्पन्न करना'

4 – शिक्षण निर्देशन या पथ-प्रदर्शन है – शिक्षण को सीखने का मार्गदर्शन या निर्देशन कहा जा[illegible]

5 – शिक्षण सम्बन्ध स्थापित करता है। शिक्षक व छात्र मे सम्बन्ध, शिक्षक व विषय मे सम्बन्ध)

6 – शिक्षण सूचना देता है – छात्र को विभिन्न विषयो व जानकारी देना

7 – शिक्षण सिखाता है। तब तक कुछ पढ़ाया नही गया, जब तक कुछ सीखा नही गया। Hu[illegible] हयूजेज, [illegible]

8 – शिक्षण वातावरण के साथ समायोजन स्थापित करने मे सहायता देता है।

9 – शिक्षण एक साधन है

10 – शिक्षण तैयारी का साधन है –

11 – शिक्षण क्रियाशीलता के लिए अवसर प्रदान करता है। – प्रत्येक छात्र मे क्रियाशीलता [illegible] प्रकट होती है –

12 – शिक्षण विज्ञान व कला दोनो है – दोनो है